नदी रे किनारे म्हारो कान्हो पतंग उड़ावे

नदी रे किनारे म्हारो कान्हो,
पतंग उड़ावे,
आयो पवन रो झोंलों,
टूटी रेशम री डोरी,
नदी रे किनारेIbdI

नदी रे किनारे म्हारों कान्हो,
बंशी बजावे,
बंशी री टेर सुण ने,
दौड़ी वे गोपियाँ सारी,
नदी रे किनारेIbdI

नदी रे किनारे म्हारों कान्हो,
भोजन बणावे,
जिमे संग राधा प्यारी,
जिमावे ए गोपियाँ सारी,
नदी रे किनारेIbdI

नदी रे किनारे कान्हो,
चौपड़ खेले,
खेले संग ग्वाल्या सारा,
खेलावे यशोदा माई,
नदी रे किनारेIbdI

नदी रे किनारे कान्हो,
झूला लगावे,
झूले संग राधा प्यारी,
झुलावे ए गोपियाँ सारी,
नदी रे किनारेIbdI

नदी रे किनारे म्हारो कान्हो,
पतंग उड़ावे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आयो पवन रो झोंलों,
टूटी रेशम री डोरी,
नदी रे किनारे।bd।

गायक – बालूराम सियाक
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार।
आकाशवाणी सिंगर।
9785126052

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com